(ii) completion of maximum period of detention;

(iii) the advice of the Advisory Boards;

(iv) revocation of detention order by the State Government.

(d) necessary action under the normal laws is being taken against them.

Wholesale Price Index

932. SHRI F. P. GAEKWAD: Will the Minister of FINANCE AND REVENUE AND BANKING be pleased to state the wholesale price index at the close of the Financial year 1977 *vis-a-vis* at the close of the previous year?

THE MINISTER OF FINANCE AND REVENUE AND BANKING (SHRI H. M. PATEL): The Wholesale Price Index (1979-71=100) stood at 182.1 for the week ended March 26, 1977 as against 162.6 for the week ended March 27, 1976.

Closure of Priyalakshmi Mills at Baroda

933. SHRI F. P. GAEKWAD: Will the Minister of COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION be pleased to state:

(a) whether Government are aware that Priyalakshmi Mills at Baroda has been closed for the last 24 months throwing about 2,500 workers out of employment;

(b) whether Government are also aware that economic conditions of workers are pitiable and that they are greatly agitated;

(c) if so, whether Government propose to take over the mills; and

(d) if not, the steps proposed to be taken to re-start the mill?

THE MINISTER OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND CO-OPERATION (SHRI MOHAN DHARIA): (a) Yes, Sir.

(b) Yes, Sir.

(c) and (d). Reopening of this mill has been receiving serious attention of the Government in consultation with the State Government and the bankers of the mills. Since the National Textile Corporation is already shouldering an onerous responsibility of managing 105 cotton textile mills, the Central Govenment is not in favour of taking over more sick or closed mills for management by the NTC. Central Government is anxious to see that this mill reopens at the earliest possible. The State Government's proposal for the reopening of the mill is being given due consideration.

चीनी का निर्यात

934. श्री लक्ष्मी नारायण नायक :

श्री पी० राजगोपाल नायडु :

क्या वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में सभी साधनों से चीनी का कुल कितना वार्षिक उत्पादन होता है ;

(ख) वर्ष 1976-77 के दौरान, विदेश-वार, कितनी मात्रा में चीनी का निर्यात किया गया ; और

(ग) देश में चीनी का मूल्य कितना है तथा विदेशों में निर्यात की जाने वाली चीनी भारतीय मुद्रा में किस भाव से बिकती है ?

वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्री (श्री मोहन धारिया) : (क) पिछले तीन वर्षों के दौरान देश में

चीनी का कुल वार्षिक उत्पादन निम्नलिखित रहा है :

चीनी वर्ष	उत्पादन (लाख मी० टन में)
(अक्टूबर से सितम्बर)	
1974-75 .	47.97
1975-76 .	42.64
1976-77	48.20 (अनुमानित)

(ख) देश	मात्रा (मे० टन)
श्री लंका .	23100
यमन .	65450
इण्डोनेशिया .	153520
सूडान .	122753
ब्रिटेन .	27121
सेशेल्स .	400
मिस्र .	48288
संयुक्त राज्य अमरीका .	75395
ईरान .	28190
रूमानिया .	17050
सोमालिया .	10500
ट्यूनिसिया .	6100
नेपाल .	1000
मालदीव .	300
योग .	579167

(ग) अप्रैल, 1976—मार्च, 1977 के दौरान बम्बई एवं दिल्ली के स्वदेशी बाजारों में डी-30 ग्रेड चीनी की औसत मुक्त बाजार कीमत (उत्पादन शुल्क सहित) तथा इसी अवधि के दौरान और लेवी चीनी की कीमत क्रमशः 4591 — रुपये प्रति मे० टन तथा 1917 —रु० प्रति मे० टन थी। इसी अवधि के दौरान चीनी के निर्यात पर औसत एफ ओ बी मूल्य प्राप्ति 2601.15 प्रति मे० टन थी ।

सरकार को इस बात की जानकारी नहीं है कि भारत द्वारा निर्यातित चीनी को आयातक देश किस कीमत पर बेच रहे हैं।

राष्ट्रीयकृत बैंकों द्वारा किसानों को कृषि और औद्योगिक विकास के लिए ऋण

935. श्री ज्ञानेश्वर प्रसाद यादव : क्या वित्त तथा राजस्व और बैंकिंग मंत्री यह यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1975-76 और 1976-77 में बिहार राज्य में राष्ट्रीयकृत बैंकों द्वारा कृषि तथा औद्योगिक विकास के लिये किसानों को क्रमशः कितना ऋण दिया गया; और

(ख) क्या किसानों को उक्त ऋण लेने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है जब कि उद्योगपतियों को आसानी से ऋण मिल जाते हैं ?

वित्त तथा राजस्व और बैंकिंग मंत्री (श्री एच० एम० पटेल) : (क) विवरण संलग्न है ।

(ख) जी, नहीं ।

भाग (क) में संलग्न विवरण से स्पष्ट होता है कि लघु उद्योगों को दिये गये अग्रिमों की तुलना में कृषि के लिये दिये गये अग्रिम राशि एवं संख्या दोनों में अधिक है । यदि कोई विशेष शिकायत की जाती है तो सम्बन्धित बैंक उसका तुरन्त निवारण करते हैं ।